**भारत सरकार**

**परमाणु ऊर्जा विभाग**

**12.08.2015 को लोक सभा में**

**पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 3886.**

**श्रीसैलम में यूरेनियम भण्डार**

3886. **श्री मुथमसेटी श्रीनिवास राव (अवंती) :**

**क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) **क्या उस्मानिया विश्वविद्यालय तथा हैदराबाद के परमाणु खनिज निदेशालय (एएमडी) के एक दल ने श्रीसैलम के वनों में बड़ी मात्रा में यूरेनियम भण्डार की बड़ी खोज की है;**

(ख) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ग) **क्या सरकार का विचार उस क्षेत्र के आस-पास परमाणु विद्युत संयंत्र की स्थापना का है; और**

(घ) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ) :**

(क) तथा (ख) **जी, नहीं। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जो परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन एक संघटक यूनिट है ने, न तो श्रीसैलम वन क्षेत्र में यूरेनियम की खोज हेतु उस्मानिया विश्वविद्यालय के साथ किसी संयुक्त-अन्वेषण का कार्य हाथ में लिया है, और न ही उस्मानिया विश्वविद्यालय के निकटवर्ती क्षेत्र में यूरेनियम की नई विद्यमानता के बारे में सूचना दी है। तथापि, परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), पहले ही श्रीसैलम के वनों तथा इसके निकटवर्ती क्षेत्रों, नालगोंडा जिला, तेलंगाना में लम्बापुर (1991), पेड्डागट्टू (1993) एवं चित्रियाल (1995) और गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश में कोप्पुनुरु (1994) में महत्वपूर्ण यूरेनियम निक्षेपों का पता लगा चुका है। परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय द्वारा नालगोंडा जिला, तेलंगाना तथा गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश में खोजे गए यूरेनियम निक्षेपों (जून, 2015 तक की स्थिति के अनुसार) की स्थिति नीचे दी गई है :**

| राज्य | जिला | निक्षेप का नाम (जिस वर्ष खोज की गई) | यूरेनियम के भंडार | |
|---|---|---|---|---|
| | | | $U_3O_8$ (टन) | U (टन) |
| आंध्र प्रदेश | गुंटुर | कोप्पुनुरु (1994) | 2,761 | 2,341 |
| तेलंगाना | नालगोंडा | लम्बापुर (1991) | 1,450 | 1,230 |
| | | पेड्डागट्टू (1993) | 7,585 | 6,432 |
| | | चित्रियाल (1995) | 9,515 | 8,069 |

(ग) **जी, नहीं। वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।**

(घ) **उपर्युक्त (ग) के मद्दे नजर यह प्रश्न ही नहीं उठता।**

* * * * * *